2022

DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION

Wishing you

HAPPY NEW YEAR

May you be healthy, gain knowledge
& have happiness in everything you do

IMPRINT

DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION INITIATIVE

DITF BULLETIN

वर्ष-2 | अंक-13 | जनवरी-2022

kaleidoscope of thoughts
and vision

EMPOWERING
ideas

OUR MOTTO
Sharing is Caring

**Amalgamation
Of Learning**

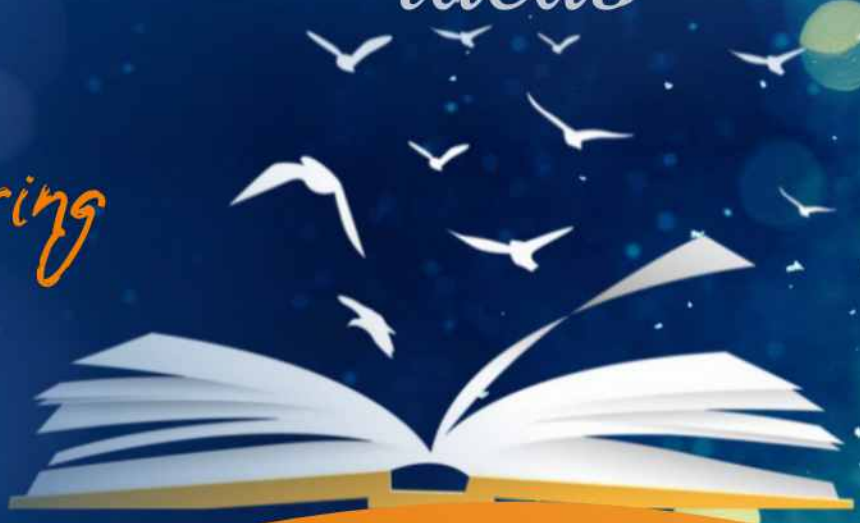

JANUARY EDITION

संपादक
डॉ. तरुणा दाधीच

फाउंडर प्रेसिडेंट
देवेश दाधीच

प्रकाशक
शोभा दाधीच

E-mail- dadheech@ditfindia.org

सम्पादकीय आलेख

उत्तम, श्लाघनीय कार्य

सर्वप्रथम अपनी बात धन्यवाद से प्रारंभ करूंगी। डीआईटीएफ बुलेटिन का एक वर्ष पूर्ण हुआ। इस पूर्णता में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी रहे स्नेही परिजन, आप सभी का हृदय तल की गहराइयों से आभार प्रकट करती हूं। हम नूतन वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं यह विचार ही हमारे मन को उत्साह से भर देता है। गत वर्ष में कोरोना की दूसरी लहर ने अपने परिजनों को हम से अलग किया है उन सभी के प्रति आत्मिक श्रद्धांजली, परंतु अब नए जोश और उत्साह से इस वर्ष का स्वागत करें, वर्ष 2021 का डीआईटीएफ कैलेंडर अप्रतिम खुशियां देकर गया जहां हर वर्ग के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजन, नई तकनीक से परिचय, उद्योग में कुशलता पर विभिन्न आयोजन आदि कई प्रकार से जागृति का कार्य संपन्न हुआ। नवंबर माह में कनिष्ठ वर्ग तथा वरिष्ठ वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न की गई। दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में पूरे भारतवर्ष के कोने-कोने से दाधीच बंधुओं ने मिलकर डीआईटीएफ प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया और इस भव्य आयोजन के साक्षी बने। आभार जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपना अमूल्य योगदान दिया। डीआईटीएफ फाउंडर प्रेसिडेंट देवेश जी की इस अप्रतिम सोच और जज्बे को प्रणाम। डीआईटीएफ परिवार की ओर से विजेता टीम को हार्दिक बधाई। निष्कर्षतः 2021 की सफलता के बाद हम 2022 में आत्म निरीक्षण करें एवं संकल्प लें, हम अपनी कमजोरियों का विश्लेषण करें और वह दूर करने का कार्य करें। इसी संकल्प के साथ नव वर्ष में प्रारंभ करते हैं। आप डीआईटीएफ इसी प्रकार जुड़े रहेंगे एवं आने वाले समय में समय - समय पर अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इसी आशा और विश्वास के साथ।

शुभम् भवतु।।

संपादक की कलम से.....

डॉ.तरुणा दाधीच
मुख्य संपादक

कनिष्ठ वर्ग चित्रकला परिणाम-

DADHEECH INTERNATIONAL TRADE FOUNDATION

Painting Competiton Results - Category 7 to 18 years

1st Prize
Rs. 5,000/-

Ms. Hermione Dadheech

2nd Prize
Rs. 3,000/-

Ms. Ambika Dadheech

3rd Prize
Rs. 1,000/-

Ms. Mansha Dadhich

Prize Winning Painting
by Miss Hermione Dadheech

*She gets ***1st Prize of Rs 5,000/-****

Pursuing Bachelor in Technology, she has Keen Interest In programming languages . and her hobbies include many performing arts like sketching, painting , singing, dancing . Learning new languages

What she has to say about DITF

My first interaction with DITF was via a webinar on Mediation. On first reading I confused it to meditation. I never new what was the key role of a mediator up until that webinar. I learnt a lot and continued to attend the webinar. I attended some events one of them was organised on Independence day; even though we all were apart we were still connected and enjoyed the program thoroughly.

The mission of DITF is what attracted me the most and according to me it is half way to complete its journey . Different competitions keep the spirit in us.

Prize Winning Painting
by Miss Ambika Sharma

2

She is
Awarded
2nd Prize
Rs 3,000/-*

She is a 7 years old darling daughter of her family who studies in class 2 in Choithram School, Indore. The little artistic soul is fond of drawing, craft work, reading and music. She has presented in various competitions and programs stotrams, poems, bhajans, songs, and alongwith everyone's heart has won awards too. She celebrates all the festivals and other occasions with full zeal and joy.

What she has to say about DITF

The efforts of DITF to assist it's members in their multidimensional growth by mutual cooperation and inspiration is appreciable. I am heartily thankful to DITF for recognizing my abilities and honouring them.

Prize Winning Painting
by Miss Mansha Dadhich

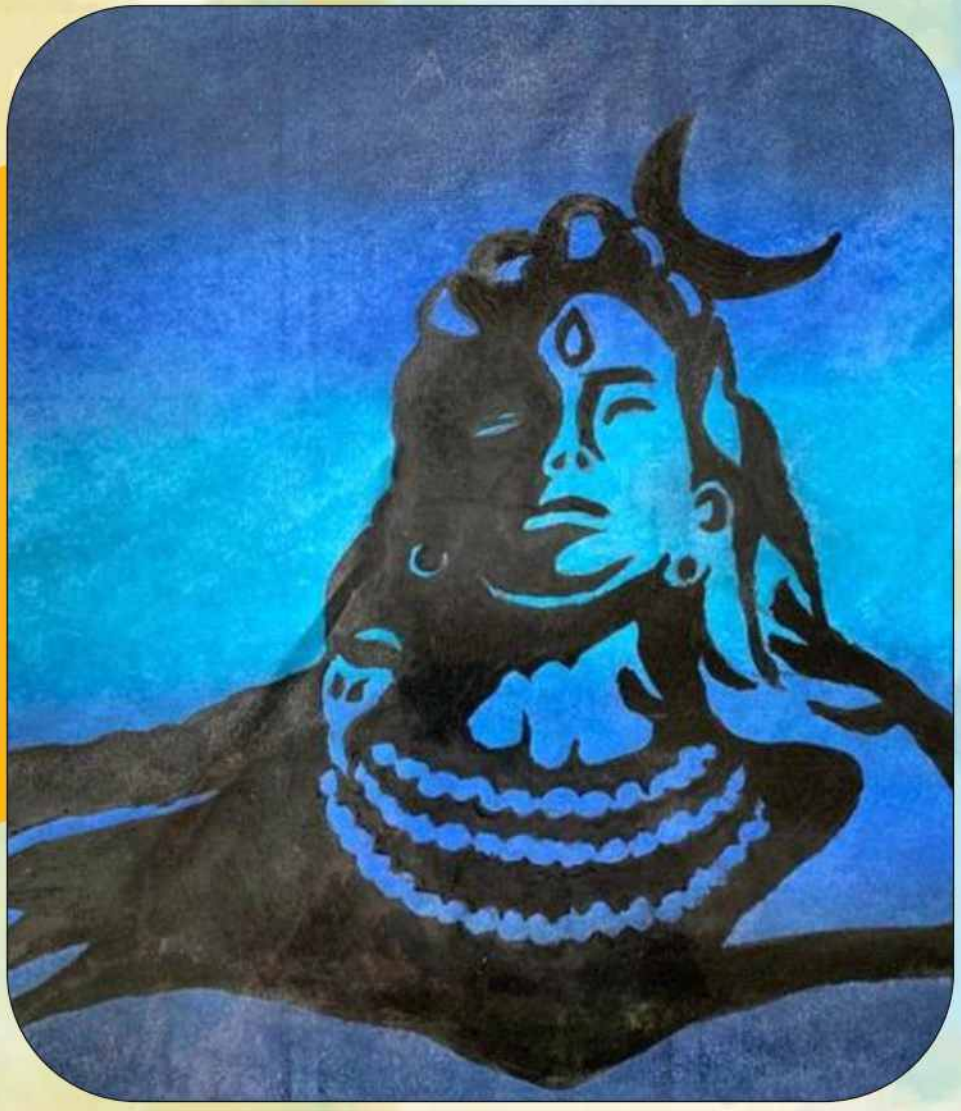

She is
Awarded
Cash Prize of Rs 1,000/-*

She is perusing her B. Tech biotechnology from UPES, Dehradun. Her hobbies include sketching, cooking, reading and listening to music.

What she has to say about DITF

DITF is a fantastic initiative which has not only given us youngsters a platform to showcase our talents and ideas to people across our clan but has also given us an opportunity to learn from experiences of our seniors from across the globe.
We are proud to be associated with DITF.

नव वर्ष

नये साल में, नई उम्मीदें
नया संकल्प बनाएंगे।
नव धुनों पर, नव तरंग में
नया गीत गुनगुनाएंगे।।

-राजेश शर्मा
मुंबई

नया सूर्य, नई लालिमा
नया उत्साह जगाएंगे।
नये पथ पर चलकर, अब
नया इतिहास रचाएंगे।।

नई यादें, नया ख्वाब
फिर से देखे जाएंगे।
छोड़ पुरानी बातों को हम
आगे बढ़ते जाएंगे।।

नये साल में, नई उम्मीदें
नया संकल्प बनाएंगे।
नव धुनों पर, नव तरंग में
नया गीत गुनगुनाएंगे।।

गणना क्यों देखी जाती है?'

-डॉ.देवीलाल शास्त्री
वास्तूविद् ,ज्योतिष एवं हस्तमर्मज्ञ
किशनगढ़

भारत आर्यों का निवास स्थान और पुण्य भूमि है । प्राचीन काल में यहां का मानव समाज ब्रह्मचर्य गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास इन्हीं चार आश्रमों में विभक्त था । अन्य तीन आश्रम ग्रहस्थाश्रम पर निर्भर रहते थे । ग्रहस्थाश्रम का प्रथम सोपान विवाह ही है। यह विवाह मंगल दायक हो जाए तो गृहस्थ आश्रम सुख पूर्वक व्यतीत हो जाता है। दांपत्य जीवन के निर्वाह होने की जानकारी के लिए ही नक्षत्र और ग्रह मेलापक किया जाता है । नवग्रह और पृथ्वी एक-दूसरे के आकर्षण से शून्यमें दिए हुए हैं। मानव पृथ्वी पर है अतः नवग्रहों के आकर्षण का प्रभाव मनुष्य पर विभिन्न रूप से पड़ता है। जीव (मानव) स्वयं कुछ भी नहीं करते वरन् यह ग्रहों के आकर्षण का प्रभाव उन्हें प्रभावित करता है। मनुष्य उन्हीं के अनुसार कार्यक्रम भी करते हैं। मानव शरीर तत्वों से बना है और उन तत्वों के साथ ग्रहों का संबंध है, अतः जो ग्रह बुरा प्रभाव करने वाला होता है मनुष्य भी बुरा काम कर बैठता है । वर-वधू के नक्षत्र व ग्रहों में कैसा आकर्षण है तथा इसका प्रभाव क्या होता है इसी को जानने के लिए गृह एवं नक्षत्र मिलाए जाते हैं। नवग्रहों में मंगल की विशेषता विशेष रहती है। इसीलिए मेलापक में मंगल ग्रह विशेषता पर विचार किया जाता है। सभी ग्रह अंशों के मेल से यह शरीर बनता है और जो शरीर तथा रक्त के संचालन की क्रिया पर निर्भर करता है, वह ज्योतिष में मंगल ग्रह माना जाता है। यदि दोनों का मंगल ठीक मिल गया अर्थात् दोनों का रक्त एक दूसरे के उपयुक्त हुआ तो उनका जीवन आधी व्याधि व्यथित नहीं होगा। उसके विपरीत दोनों का मंगल हो तो जिस तरह दूध में विकार हो जाने से वह फट जाता है उसे सेवन योग्य नहीं रह जाता उसी तरह एक दूसरे में रक्त में विकार हो जाने से रक्त फट जाता है। रक्त पर निर्भर करने मनुष्य का शरीर ठीक नहीं रह सकता। इसीलिए रक्त की उपयोगिता जानने के लिए मंगल मिलाना आवश्यक है, इस प्रकार सभी तरह विचार करने से लगता है नक्षत्र और ग्रह की गणना अवश्य करनी चाहिए। नक्षत्र और ग्रह गणना ना करें तो मनुष्य, देश, समाज की बड़ी हानि होती है। सभी जनों को ग्रह नक्षत्र आदि मेलापक मिलान कर गृहस्थाश्रम का शुभारंभ करना चाहिए।

दिनचर्या आयुर्वेद सम्मत'

डॉ.महेश आचार्य
बी .ए.एम.एस.
कांकरोली, राजसंमद

"स्वस्थ जीवन के लिए
मनुष्य की दिनचर्या
का स्वस्थ होना नितांत आवश्यक है।"

प्रथम – बह्ममुहूर्ते उत्तिष्ठेत् स्वस्थोस्वस्थ रक्षा..... ब्रह्मा अर्थात ब्रह्म संबंधी ब्रह्म अर्थात् ज्ञान एवं इससे संबंधित।

मुहूर्त प्रभात काल- इस काल में शरीर, बुद्धि, मन सब ताजे होते हैं। थकान रहित होने से स्वस्थ व्यक्ति को आयु की रक्षा के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए।

द्वित्तीय- कर दर्शन- निद्रालेने के पश्चात जब आंख खुले तब स्वयं को स्वस्थ महसूस कर रहा हूँ इस विचार के बाद बिस्तर पर बैठ कर दोनों हथेलियों को आपस में मिलाते हुए अंगुलियों को आंखों पर सहलाए फिर दोनों हथेलियों को साथ रखते हुए अपने ईश्वर का अपनी हथेलियों में दर्शन करें। यही कर दर्शन है । तदनंतर हथेली में पानी लेकर आचमान की तरह खींचते हुए मुंह में पानी भरे तथा पांच - सात बार आंखों पर पानी छिटककर मुंह में भरे पानी को थूँकना है। तत्पश्चात पानी पिए यही उषा पान कहलाता है। उषापान सदैव बैठकर करना चाहिए।

उदरशुद्धि – उदरशुद्धि,अम्लपित्त व विबंध (कब्ज) नाशक है। शौचादि के पश्चात मंजन, अभ्यंग व्यायाम, नस्य, कवल , स्नान व ध्यान आदि कार्य अपेक्षित होते हैं।

मंजन - नीम , बबूल या आयुर्वेदिक चूर्ण मंजन हो जो ब्रश से भी हो तब भी मसूड़ों की मालिश के लिए तर्जनी अंगुली मसूड़ों एवं दाँतों पर अवश्य घुमाये।

अभ्यंग (मालिश) -प्रतिदिन शरीर पर अभ्यंग करना चाहिए। इससे त्वचा व दृष्टि निर्मल रहती है। शरीर झुर्रियों रहित , पुष्ट व ओजमय रहता है।

वि◌शेष - नित्य संपूर्ण शरीर की मालिश संभव नहीं हो तो सिर , कान और पैरों की मालिश तथा नाक में नस्य व नाभि में अवश्य लगाना।

व्यायाम- अपनी इच्छा अनुसार आसन , प्राणायाम व्यायाम, शारीरिक स्थिति और आयु के अनुसार हो परंतु नियमितता होनी चाहिए। इन सब से शरीर का कर्म सामर्थ्य बढ़ता है। अग्नि प्रदीप्त रहती है। शास्त्रों में अनेक फायदों के साथ-साथ ' विभक्तघन गात्रत्वं' लिखा है। जिसका अर्थ विभक्त होने से यथा पेट, छाती पृथक - पृथक दिखे यही शारीरिक सौष्ठव कहलाता है जो नियमित व्यायाम से प्राप्त होता है । मान लीजिए सामान्य चलते-चलते अचानक दौड़ना पड़ गया या कोई आघात, वजन

Healthy Life!

सहसा आ पड़े तो ये सभी नित्य व्यायामी शरीर जितना मुकाबला करेगा उतना आलसी शरीर नहीं सह पाता है। अतः अच्छे कार्य का आनंद स्वस्थ व स्फूर्ति में है।

नस्य- प्रतिदिन दो प्रकार की नस्य अवश्य लें।

1- स्नान के समय जल नस्य- दायीं हथेली में स्वच्छ पानी ले। बायें अंगूठे से बायाँ नासाबंद करें दायें नासा से पानी खींचे फिर दूसरे नासा में यानी दाएं अंगूठे से दायाँ नासा बंद करें और बाँयें नासा से पानी नाक में ऊपर खिंचे।

विशेष- यह क्रिया धीरे-धीरे अभ्यास से इतनी संभव हो जाती है कि एक हथेली का पानी दोनों नासा में एक साथ खींचने का अभ्यास हो जाता है। हवा में विद्यमान कार्बन, धूल आदि का नाक में प्रभाव नहीं हो कर बार-बार होने वाले प्रतिश्याम से मुक्ति, गंध नहीं आने वाले को गंधज्ञान, नेत्र ज्योति प्रबल, झुर्रियां रहित, केश काले तथा चेहरा ओजमय होता है।

2- नाक में सरसों का तेल दो बूंद तर्जनी अंगुली के माध्यम से लगाये फिर धीरे से ऊपर खींचे अभ्यास होने तक जल्दबाजी नहीं करके शांति से अभ्यास करें।

3- स्नान- स्फूर्ति, उत्साह कांतिव आयु बढ़ाता है। मेल ,थकान तंद्रा, दाह व पाप घटाता है। प्रातः स्नान जीवनदायी, विवेक व लक्ष्मीप्रद शरीर की सामर्थ्य अनुसार उष्ण,शीत जल की व्यवस्था हो। उष्ण जल से सिर धोना हानिकारक माना है।

विशेष- प्रथम सिर पर पानी डाले उस समय मुंह में पानी का कवल (कुल्ला) भरा रहे, सिर गिला होने पर पानी थूँक दे। मुंह में पानी भरकर नहाने से बार- बार जुकाम नहीं होगा।

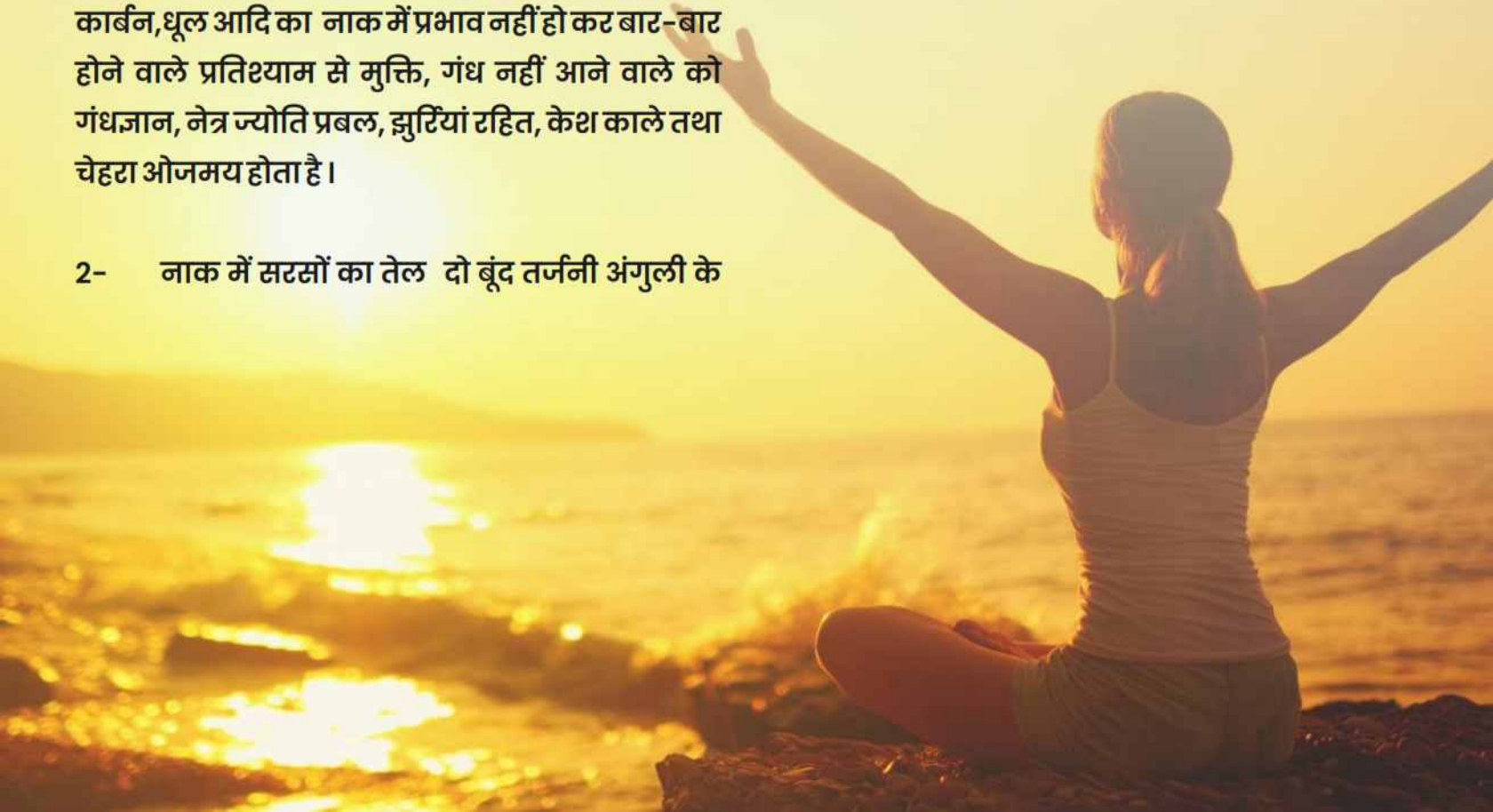

DITF CRICKET LEAGUE

DITF (दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन) के तत्वधान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम दिन जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी, JLN मार्ग, जयपुर पर सेमीफाइनल क्रिकेट मैच के आयोजन किये गये जिसमें महर्षि पिपलाद एकेडमी और निकुंज स्ट्राइकर की टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में निकुंज स्ट्राइकर ने फाईनल मैच को कड़ी मेहनत और अनुशासनात्मक खेल के द्वारा जीत लिया।

महर्षि पिपलाद ऐकडमी की टीम फर्स्ट रनरअप रही और **₹50000 का पुरस्कार** प्राप्त किया जबकि **विजेता टीम को ₹100000 का पुरस्कार** दिया गया और इन दोनों टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मैं डीआईटीएफ के फाउंडर श्री देवेश जी दाधीच और उनकी पूरी टीम को तहेदिल से धन्यवाद देना चाहूंगा कि आपने इस आयोजन के लिए गुलाबी नगरी जयपुर को चुना और आप 3 दिनों से इस गुलाबी शहर में रहकर यहां के सभी दाधीचबंधुओं के मध्य इस ऐतिहासिक क्रिकेट लीग को सफलतापूर्वक आयोजित किया।

धन्यवाद।

सुधीश कुमार
जयपुर

DITF के लिए बंधुओं के प्रेरणादायक वक्तव्य-

जय श्री कृष्ण,
क्या कहुँ, शायद आज शब्द नही है मेरे पास अपनी खुशियों का खजाना जाहिर करने के लिए।
दाधीच इंटरनेशनल ट्रेड फाउंडेशन की तरफ से जो
DITF क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन - 1 का शानदार आयोजन किया, उसको इतनी खूबसूरती, मौज, मस्ती खेल भावना ओर सादगी से पूरा किया की उसकी जितनी तारीफ करे कम है।
DITF की पूरी टीम के लिए बस कुछ लाइन लिखना चाहूंगा-
अपनी राजस्थान की रेत का हर जर्रा अगर हीरा या मोती होता तो तौहफे में हम आपको पूरा राजस्थान दे देते
आप सभी ने जो प्यार दिया उसके लिए आप सभी का दिलसे धन्यवाद।।
ऐसे ही आगे आयोजन होते रहे ओर दाधीच मिलता रहे, खेलता रहे दाधीच।
दधिमती मात की जय
देवेश जी के लिए में क्या लिखूं उनके इस शानदार प्रयास ने सभी दाधीच के मोतियों को एक माला में पिरो दिया है और वो उस माला की गांठ है:

पवन शांतिलाल इंटोदिया

निकुंज स्ट्राइकर्स, इचलकरंजी
DITFके फाउंडर श्री देवेश जी दाधीच व उनकी पूरी टीम ने राष्ट्रीय स्तर की दाधीच क्रिकेट लीग को जयपुर में अपने पहले सफल आयोजन को जिस तरीक़े से प्रस्तुत किया है बहुत ही सराहनीय प्रयास कहा जाएगा

निश्चय ही इस आयोजन से देश में दाधीच युवाओं को एक नई दिशा मिलेगी , उत्साह का संचार होगा ! खिलाड़ियों और आयोजकों को बहुत बहुत बधाई

-अशोक असोपा
अन्तर राष्ट्रीय खिलाड़ी
(अध्यक्ष , महर्षि दधीचि सामाजिक संस्थान राजस्थान)
जयपुर

TESTIMONY FOR
DITF Sponsored Cricket Tournament

Dr. Ravi Sharma

Scientist living in Elk Grove CA USA NASA Apollo Achievement Award
Former Scientific Secretary ISRO HQ.

When Astronauts started staying in space - where there is only microgravity - in orbit for more than two weeks, say for 1-2 months, there was a need to maintain their bodily health. Hence from Skylab (1972) onwards for the Space Shuttle and Space Station programs we developed "Lower-body negative pressure" equipment to increase blood circulation in limbs. This is now being used in ambulatory care in hospitals and on very long flights to stop blood clots. Subsequently, lot of space medicine, equipment and procedures have been developed in last 3 decades.

We do not know if playing cricket in space is possible? Someday soon, when Lunar (1/6 of earth gravity) or Mars (1/3) human habitats will be established, it would be fun!

In the mean-time, let us not forget what Gita Says: We can not continue our life without Effort!

शरीर यात्रापि च तेन प्रसिद्धयेत् अकर्मणः ॥

Healthy mind goes with healthy body.Make your body and bones as strong as Maharshi Dadhichi did with Yoga and Tapah.

Play with concentration like Arjuna and do not forget to reconnect with competing team as friends as you were, as this is an act of real enactment!

Best Wishes for
Teams & generous Organizers!

The event was great I would really like to congratulate the organisers of the event who worked really hard for making this event really memorable. Also loved the enthusiasm of all the players who have participated all in all it was a big success and already looking forward for playing in the season 2....

Hemant Dadhich
Jaipur

ndoubtedly it was a great event with lots of bonding and networking. Amazing play by all the teams, memories created and hope to see such more events in future

congratulations

@Devesh G Mama Jifor the grand success of the event.

Abhishek Ashopa
Jaipur

DITF has achieved new heights by successfully organising a flawless cricket tournament at Jaipur. Huge credit goes to Deveshji for giving an international level platform for youth to show their sportsmanship. It has brought a new wave of energy and enthusiasm in Dadhich youths and we hope to see this evolve into something bigger.

Deepak Dadheech
USA (Houston)

Thank you Devesh Sir for organizing such tournament in very perfect manner at one go.... we would definately love to be part of such upcoming function and events and will walk with your every footprint

CA Harshit Dadhich
Chittorgarh

Thanks a lot Devesh Sir for giving us opportunity to become a part of such historical event in Dadhich communit . We would like to part of each and every upcoming event of DITF, wishing for more thrilling and amazing events ahead from DITF.

CA Ajay Dayama
Chittorgarh

Thank you very much sir for giving this opportunity to manage the event it helps me to learn many things as well as helps to upgrade my management skills. You give me the wings to fly and touch the skyYou always keeps me down to earth when I touch the sk Thank you again for your support and cheering up for me it helps to evolve my skillsets Looking for your call for next even

Mr Bhagyesh Tripathi
Web Designer MD Trimagine
Software Solutions Jalgaon

HK.Many many congratulations to Devesh Ji,on organizing such successful event.Everywhere and always one name is helm of the affairs-Only Devesh Ji so best wishes for all your future endeavours.Again congratulations to you and all the team members.

CA Ramesh Sharma, Beawar

DITF under the leadership of Deveshji organised a heart-winning cricket tournament. I was lucky to get an opportunity to represent Instarto Challengers with special thanks to team owner Deepak Dadhich and my team players. I am used to playing cricket in Scotland but DITF managed to match international standards in Jaipur. There was a wave of energy among youngsters across all participating teams that lifted atmosphere of Jaipuria Cricket Academy and announced arrival of Dadhich pariwar talent in style for years to come! –

Pratyush dadheech (has come from Scotland to play.)

CRICKET GALLERY

CRICKET GALLERY

DADHEECH INTERNATIONAL
TRADE FOUNDATION

सम्मानीय बन्धुओं से आग्रह है बुलेटिन के लिए अधिक से अधिक रचनाएँ प्रेषित करें।

यह पत्रिका निःशुल्क है, परिजनों को भी भेजें और नए पहलुओं से परिचय करवाएं।

E-mail- ditfindia@gmail.com

YASHRAJ CREATIONS, 98294 46940